Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, www.railsamacharbureauald.com

# रेल समाचार ब्यूरो

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

R.N.I.No. 51097/90 DN/XXX/2021-2023 Post AD No. 8

सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करे, प्लेटफार्म पर नहीं

वर्ष-३३ अंक-२० प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो १६ अक्टूबर- ३१ अक्टूबर २०२३ पृष्ठ ०८ मूल्य:२० रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

## प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड में लगभग ४२०० करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की रखी आधारशिला

### उत्तराखंड की प्रगति और उसके नागरिकों की भलाई हमारी सरकार के मिशन के मूल में-पीएम मोदी

पसूका/नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में ग्रामीण विकास, सड़क, बिजली, सिंचाई, पेयजल, बागवानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन सहित अन्य क्षेत्रों में लगभग ४२०० करोड़ रुपये की अनेक विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित की। दिनांकः १२.१०.२०२३ को एकत्र जनसमूह को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने अपनी यात्रा पर उत्तराखंड के लोगों के अभूतपूर्व प्यार, स्नेह और आशीर्वाद के लिए आभार व्यक्त किया और कहा, यह स्नेह की गंगा बहने की तरह था। नरेन्द्र मोदी ने अध्यात्म और वीरता की भूमि विशेषकर साहसी माताओं को नमन किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बैद्यनाथ धाम में जय बद्री विशाल के उद्घोष से गढ़वाल राइफल्स के जवानों का जोश और उत्साह बढ़ता है और गंगोलीहाट के काली मंदिर में घंटियों की ध्वनि कुमाऊं रेजिमेंट के जवानों में नए साहस का संचार करती है। मानसखंड में प्रधानमंत्री ने बैद्यनाथ, नंदादेवी, पूर्णागिरि, कसारदेवी, कैंचीधाम, कटारमल, नानकमत्ता, रीठा साहिब और अनेक अन्य मंदिरों का उल्लेख किया जो इस भूमि की भव्यता और विरासत को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, जब भी मैं आपके बीच उत्तराखंड में होता हूं, हमेशा खुद को धन्य समझता हूं। उत्तराखंड की आपदाग्रस्त होने की प्रकृति को स्वीकार करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले ४-५ वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारी के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर ४००० करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे। उन्होंने कहा, उत्तराखंड में ऐसी सुविधाएं निर्मित की जायेंगी ताकि आपदा की स्थिति में राहत और बचाव कार्य तेजी से किया जा सके। अपने संबोधन का समापन करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भारत का अमृत काल है। उन्होंने कहा, "यह समय देश के हर क्षेत्र एवं हर वर्ग को सुविधाओं, सम्मान और समृद्धि से जोड़ने का है।

## अश्विनी वैष्णव ने १६वें एशियाई खेलों में भाग लेने वाले भारतीय दल के रेलवे खिलाड़ियों को दी बधाई

पसूका/नई दिल्ली: रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पूर्वी रेलवे की वरिष्ठ खेल अधिकारी और १६वें एशियाई खेलों में भाग लेने वाले भारतीय दल की डिप्टी शेफ डी मिशन डोला बनर्जी और सहायक खेल अधिकारी, ईस्ट कोस्ट रेलवे और स्वर्ण पदक विजेता भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सदस्य अमित रोहिदास से आज रेल भवन, नई दिल्ली में मुलाकात की। अश्विनी वैष्णव ने हांगझू, चीन में आयोजित १६वें एशियाई खेल, २०२२ में भारतीय दल की शानदार उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी।

भारतीय रेलवे (आईआर) के कुल ६८ सदस्यों ने, जिसमें ६० खिलाड़ी, ०७ कोच और डिप्टी शेफ डी मिशन के रूप में डोला बनर्जी शामिल हैं, ने एशियाई खेलों में भाग लिया। इनमें से ३६ खिलाड़ियों ने कुल ४३ व्यक्तिगत और टीम खेल पदक जीते हैं। एशियाई खेलों में भारत के १०७ पदकों में भारतीय रेल के खिलाड़ियों ने २२ पदकों का योगदान दिया है। १८वें एशियाई खेलों, २०१८ में भारत द्वारा जीते गए ६६ पदकों में भारतीय रेल के खिलाड़ियों के ०६ पदकों के योगदान के विपरीत, १६वें एशियाई खेलों में भारत द्वारा जीते गए १०७ पदकों में से उनका योगदान २२ है।

ऐसे में भारतीय पदक तालिका में भारतीय रेल के खिलाड़ियों का योगदान ५८ प्रतिशत बढ़ गया है।

महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे चंद्र वीर रमण ने ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर में 'नर्सेज एवं महिला कर्मचारी विश्राम कक्ष' का उद्घाटन फलक का अनावरण करते हुए।

## महिलाओं के साथ हुआ अपराध बर्दाश्त नहीं-सीएम योगी

साभारः महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान के लिए संचालित 'मिशन शक्ति' के चौथे संस्करण का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार दिनांकः १४.१०.२३ को शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली तीन महिलाओं को सम्मानित किया। इनमें लखनऊ निवासी इसरो की वैज्ञानिक डॉ. ऋतु करिधाल श्रीवास्तव, एचसीएल की चेयर पर्सन रोशनी नाडर मलहोत्रा और बुनकर कलाकार पद्म हेमोप्रोवा सूतिया शामिल रहीं। इस मौके पर महिलाओं के प्रति अपराध करने वालों को नजरिया बदलने की चेतावनी देते हुए उन्होने कहा कि अब अगर कोई भी महिलाओं के साथ अपराध करेगा तो उसे तत्काल परिणाम भुगतना होगा। उन्होंने महिलाओं से अपराध करने वालों को सख्त संदेश दिया। कहा, अब ऐसा करने वालों को कोई अवसर दिए बगैर मौके पर ही सख्ती से निपटेंगे। समझाने-बुझाने का समय नहीं रहा। लोकभवन में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि थाना स्तर पर दर्ज होने वाले महिला अपराध के मामलों की स्वयं मॉनिटरिंग करें। रिपोर्ट तैयार कर देखें कि क्या कार्रवाई हुई।

अगर थाना स्तर पर महिला अपराध के मामलों में कार्रवाई नहीं होती है तो वहां के अधिकारी भी नहीं छोड़े जाएंगे। सीएम ने कहा कि महिला व बाल सुरक्षा से जुड़े मसलों को सरकार गंभीरता से ले रही है। किसी को भी महिलाओं की सुरक्षा में सेंध लगाने की छूट नहीं है। एनसीआरबी के आंकड़े बता रहे हैं कि यूपी में महिला संबंधी अपराधों में गिरावट आई है। अभियोजन में तेजी आई है।

# केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने पश्चिमी क्षेत्र के छह राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक का किया उद्घाटन

पसूका/नई दिल्लीः छह राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए राष्ट्रीय आयुष मिशन पर पूर्वी, मध्य और दक्षिणी क्षेत्र के बाद चौथी क्षेत्रीय समीक्षा बैठक आज मुंबई में आयोजित की गई, जिसमें राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा और केंद्र शासित प्रदेशों, अंडमान व निकोबार द्वीप समूह, दादरा व नगर हवेली, दमन व दीव के अधिकारियों और आयुष के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस बैठक का उद्घाटन केंद्रीय आयुष तथा पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने किया। केंद्रीय आयुष और महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मुंजपरा महेंद्र भाई और आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा भी इस अवसर पर उपस्थित थे। आयुष मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय आयुष मिशन के बारे में सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, "राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) को आयुष स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत और बेहतर बनाकर पूरे देश में आयुष स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने के दृष्टिकोण और उद्देश्यों के साथ लागू किया जा रहा है, ताकि जरूरतमंद लोगों को सार्थक विकल्प मिल सकें। आयुष को सभी के लिए उपलब्ध कराने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, "जनभागीदारी के माध्यम से इस स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को जमीनी स्तर पर उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय आयुष मिशन के माध्यम से राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को दी जाने वाली सहायता को प्रसारित करना एक साझा जिम्मेदारी है। मंत्री महोदय ने एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल पर जोर दिया और कहा, "लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए आधुनिक और पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को साथ-साथ चलना होगा। सोनोवाल ने पारंपरिक चिकित्सा के प्रचार-प्रसार में विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार की भूमिका का भी उल्लेख किया और कहा कि जामनगर, गुजरात में पारंपरिक चिकित्सा के वैश्विक केंद्र की स्थापना ने भारत की वैज्ञानिक और साक्ष्य आधारित पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के विकास के नए द्वार खोले हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आयुष मिशन जैसे प्रमुख कार्यक्रम के माध्यम से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पारंपरिक चिकित्सा का लाभ देश के हर कोने तक पहुंचे। इस अवसर पर डॉ.मुंजपरा महेंद्रभाई ने कहा, "हमें कार्यक्रम के संबंध में नतीजों की तुलना में सार्थक परिणामों पर जोर देना होगा। हमें अपने कामकाज की योजना बनाने, उसे क्रियान्वित करने और रिपोर्ट करने के लिए अपनी रणनीतियों व तकनीकों को फिर से दुरुस्त करना होगा, जिससे परिणामों का आकलन करने में सुविधा हो।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने राष्ट्रीय आयुष मिशन के लिए की गई क्षेत्रीय समीक्षा बैठकों के बारे में जानकारी साझा करते हुए कहा, "राष्ट्रीय आयुष मिशन आयुष मंत्रालय की एक प्रमुख योजना है, जिसे देश में आयुष प्रणालियों के विकास और प्रचार के लिए राज्य/केंद्रशासित प्रदेश सरकारों के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। एनएएम योजना के लिए बजटीय प्रावधान भी ८०० करोड़ से बढ़कर १२०० करोड़ हो गया है। मंत्रालय ने सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के साथ समीक्षा बैठकें आयोजित की हैं। समीक्षा बैठकों में विभिन्न राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारियों, आयुक्तों और मिशन निदेशकों ने भाग लिया और समीक्षा के दौरान सार्थक चर्चाएं हुई। आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुकविता गर्ग ने आयुष की अब तक की प्रगति और २०२५ के लिए आयुष के रोडमैप पर एक प्रस्तुतिकरण दिया। उद्घाटन सत्र पांच मिनट के वाई-ब्रेक (योग ब्रेक) सामान्य योग प्रोटोकॉल के साथ संपन्न हुआ। इसके बाद कार्यक्रम में संवाद सत्र हुआ, जिसमें महाराष्ट्र, गोवा, राजस्थान, गुजरात, अंडमान व निकोबार के साथ-साथ दादरा और नगर हवेली और दमन व दीव ने अपने-अपने क्षेत्र में राष्ट्रीय आयुष मिशन का विस्तृत परिदृश्य प्रस्तुत किया। इसमें ज्ञान साझा करने के सिलसिले में मुख्य बिंदुओं, आगे की राह, सफलता की कहानियों पर विचार-विमर्श किया गया।

## भारतीय रेल ने २०२३ की पहली दो तिमाही में ७५८.२० मीट्रिक टन माल ढुलाई का लक्ष्य हासिल किया

पसूका/नई दिल्लीः भारतीय रेल ने संचयी आधार पर अप्रैल-सितंबर २०२३ की अवधि के लिए ७५८.२० मीट्रिक टन माल की ढुलाई की, जबकि पिछले वर्ष ७३६.६८ मीट्रिक टन माल की ढुलाई की गई थी, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग २१.५२ मीट्रिक टन की वृद्धि दर्शाता है। रेलवे ने पिछले वर्ष के ७८६६१ करोड़ रुपये की तुलना में ८१६६७ करोड़ रुपये की आय अर्जित की है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग २७०६ करोड़ रुपये अधिक है।सितंबर २०२३ के महीने के दौरान, १२३.५३ मीट्रिक टन का प्रारंभिक माल ढुलाई का लक्ष्य हासिल किया गया है, जबकि सितंबर २०२२ में ११५.८० मीट्रिक टन माल की ढुलाई की गई थी। इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में लगभग ६.६७ प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सितंबर २०२२ में माल ढुलाई से राजस्व के रूप में १२३३२.७० करोड़ रुपये की आय हुई थी, इसकी तुलना में सितंबर २०२३ में १२६५६.६५ करोड़ रुपये की आय अर्जित की गई है। इस प्रकार, पिछले वर्ष की तुलना में लगभग ५.०६ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। भारतीय रेल ने सितंबर, २०२३ के दौरान कोयले में ५६.७० मीट्रिक टन, लौह अयस्क में १४.२६ मीट्रिक टन, पिग आयरन और तैयार स्टील में ५.७८ मीट्रिक टन, सीमेंट (क्लिंकर को छोड़कर) में ६.२५ मीट्रिक टन, क्लिंकर में ४.८६ मीट्रिक टन, खाद्यान्न में ४.५४ मीट्रिक टन, उर्वरक में ४.२३ मीट्रिक टन, खनिज तेल में ४.० मीट्रिक टन, कंटेनरों में ७.२८ मीट्रिक टन और शेष अन्य सामान में १०.१० मीट्रिक टन की माल ढुलाई की। हंग्री फॉर कार्गो मंत्र का पालन करते हुए, भारतीय रेल ने व्यापार करने में आसानी के साथ-साथ प्रतिस्पर्धी कीमतों पर सेवा अदायगी में सुधार के लिए निरंतर प्रयास किए हैं।

## टिकट चेकिंग से राजस्व अर्जन में ३३.६२ % की उल्लेखनीय वृद्धि

रे.स.ब्यू./सूत्रः झांसी मंडल मे मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा के दिशा निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशिकांत त्रिपाठी के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग बिना टिकट यात्रियों की रोकथाम हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष २०२३-२४ की दूसरी तिमाही जुलाई, अगस्त तथा सितम्बर - २०२३ में विशेष टिकट जाँच अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा, बिना बुक लगेज एवं गंदगी फैलाने व धुम्रपान करने वाले, अनाधिकृत वैंडरो एवं स्टेशन से गुजरने वाली गाड़ियों में सघन जाँच करायी गयी। जाँच के परिणाम स्वरूप झाँसी मंडल के स्टेशनों पर बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा, बिना बुक लगेज यात्रा, अनधिकृत वैंडरो एवं गंदगी फैलाने व धुम्रपान करने वाले आदि के १४२६६० केस पकडे गए जिनसे रू. ६,८०,०६,५६३ का रेल राजस्व प्राप्त किया गया। टिकट चेकिंग के दौरान रेलवे स्टेशन के वेटिंग रूम तथा रेलगाड़ियों के विकलांग, महिला कोच, आरएमएस कोच तथा पैंट्री कार की भी सघन चेकिंग हुई। पिछले वित्तीय वर्ष २०२२-२३ में दूसरी तिमाही माह जुलाई, अगस्त तथा सितम्बर अवधि में झाँसी मंडल में बिना टिकट, अनियमित टिकट धारक, बिना बुक्ड लगेज, आदि के कुल १०५५१५ केस पकडे गये। जिनसे जुर्माना स्वरूप रू ६६४७५६६६ रेल राजस्व की वसूली की गयी थी। पिछले वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही की तुलना में वर्तमान वित्तीय वर्ष में वर्ष टिकट चेकिंग में बेहतर प्रदर्शन करते हुए कुल केसों में २४.८२ % की वृद्धि हुई है वही जिनसे जुर्माना स्वरूप राजस्व अर्जन में ३३.६२% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वही पिछले वित्तीय वर्ष में सितम्बर माह की तुलना में वर्तमान वित्तीय वर्ष के सितम्बर में केसों में ५३.५०% की वृद्धि तथा राजस्व अर्जन में ५२.२८ % की वृद्धि दर्ज की गई है। टिकट चेकिंग अभियान को और गति देते हुए चेकिंग स्क्वायड द्वारा ट्रेनों में दिन - रात औचक टिकट जांच की जा रही है । मंडल के विभिन्न रेल खंडों और मुख्य रेलवे स्टेशनो पर भी सघन टिकट जांच की जा रही है । उत्तर मध्य रेलवे यात्री सेवा में सदैव तत्पर है ।

कोई भी चीज़ इतनी अच्छी नहीं होती जितनी प्रतीत होती है।
जार्ज इलियट

## बरेका में "वेंडर्स के अनुमोदन प्रक्रिया और सामान्य गलतियों के विश्लेषण" पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

रे.स.ब्यू./सूत्रः रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार सतर्कता जागरुकता अभियान के परिप्रेक्ष्य में बनारस रेल इंजन कारखाना में "वेंडर्स के अनुमोदन प्रक्रिया और सामान्य गलतियों के विश्लेषण" पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें बरेका के सौ से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। सर्वप्रथम मुख्य सतर्कता अधिकारी पी. के. चौधरी ने मुख्य अतिथि महाप्रबंधक बासुदेव पांडा एवं मुख्य वक्ता अरुण कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी, आर.डी. एस.ओ. का पुष्प गुच्छ के साथ स्वागत किया। प्राविधिक प्रशिक्षण केंद्र के ऑडिटोरियम हॉल में सतर्कता विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अरुण कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी आरडीएसओ लखनऊ ने व्याख्यान में Vendor Approval Proc मे में बरती जानेवाली सावधानियाँ, RDSO में इसके लिए बनाये गये standard प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की गई जिससे vendor development की प्रक्रिया सुदृढ़ हो। बरेका महाप्रबंधक पांडा ने भी अधिक से अधिक vendor base में बढ़ोतरी किये जाने पर बल दिया। Vendor development एवं निविदाओं से संबंधित कुछ प्रश्नों का समाधान किये जाने हेतु मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रमोद कुमार चौधरी एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, आर.डी.एस.ओ., अरुण कुमार द्वारा प्रकाश डाला गया। आज के व्याख्यान का थीम "भ्रष्टाचार का विरोध करें, राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें"। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि महाप्रबंधक पांडा ने अपने सम्बोधन में बताया कि वेंडरो की चयन प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी होनी चाहिए एवं सामानों की गुणवत्ता में जरा भी निम्नता पाई जाने पर तुरंत कारवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार एक बीमारी है जिसे जागरूकता, समयनिष्ठा एवं परिशुद्धता के साथ हराया जा सकता है । अंत में उपस्थित अधिकारियों द्वारा वेंडर स्पिसिफिक प्रश्न पूछे गए जिसका व्याख्यानकर्ता द्वारा विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर एस. के. श्रीवास्तव, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर शिशिर दत्त, प्रमुख मुख्य इंजीनियर विनोद बमपाल, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रणवीर सिंह चौहान, प्रधान वित्त सलाहकार नीरज वर्मा, प्रमुख सहित काफी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहें।

## महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे, सतीश कुमार ने किया सूबेदारगंज स्टेशन का निरीक्षण

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे, सतीश कुमार ने सूबेदारगंज स्टेशन निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान सतीश कुमार ने सूबेदारगंज स्टेशन पर बन रहा नया प्लेटफोर्म सं ४/५ पर विकास के कार्यो, एवं स्टेशन की प्रस्तावित डिजाईन व यार्ड आदि का गहनता से निरीक्षण किया। निरीक्षण में यात्री सुविधा एवं परिचालन व्यवस्थाओं को गहनता से देखा गया। इस अवसर पर स्टेशन पर प्लेटफार्म प्रतीक्षालय आदि का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई की व्यवस्था का अवलोकन किया। महाप्रबंधक ने अपने निरीक्षण के दौरान प्लेटफॉर्म ४ से प्रारंभ कर प्लेटफॉर्म सं १ की स्थिति, अनुरक्षण व्यवस्था तथा यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्लीपर श्रेणी के प्रतीक्षालय की व्यवस्थाओं को देख कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सतीश कुमार ने स्टेशन परिसर को और सुंदर बनाने तथा सुधार करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। सफाई व्यवस्था को उच्चतम स्तर का बनाए रखने की बात कही और गुणवत्ता मानदंडों के सही प्रकार से पालन की बात कही। उन्होंने वहां उपस्थित अधिकारियों से अनुरक्षण प्रक्रिया की जानकारी ली और भविष्य में भी यात्री सुविधा और संरक्षा के उत्कृष्ट स्तर को बनाए रखने के निर्देश दिए ।

## समस्तीपुर और लोकमान्य तिलक टर्मिनल के मध्य चलेगी पूजा स्पेशल ट्रेन

रे.स.ब्यू./सूत्रः हाजीपुर। आगामी त्यौहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनको सुगम आवागमन की सुविधा मुहैया कराने के लिए रेलवे द्वारा मुजफ्फरपुर- हाजीपुर-पाटलिपुत्र-पं.दीन दयाल उपाध्याय जं.-प्रयागराज छिवकी के रास्ते समस्तीपुर और लोकमान्य तिलक टर्मिनस के बीच ०१०४३ /०१०४४ लोकमान्य तिलक- समस्तीपुर-लोकमान्य तिलक सुपरफास्ट स्पेशल पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन करने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन लोकमान्य तिलक टर्मिनस से १६.१०.२०२३ से ३०.११.२०२३ तक सप्ताह के प्रत्येक गुरूवार को तथा समस्तीपुर से २०.१०. २०२३ से ०१.१२.२०२३ तक सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को परिचालित की जायेगी। गाड़ी संख्या ०१०४३ लोकमान्य तिलक-समस्तीपुर सुपरफास्ट पूजा स्पेशल ट्रेन लोकमान्य तिलक टर्मिनस से गुरूवार को १२.१५ बजे खुलकर शुक्रवार को २१.१५ बजे समस्तीपुर पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी संख्या ०१०४४ समस्तीपुर-लोकमान्य तिलक सुपरफास्ट पूजा स्पेशल ट्रेन समस्तीपुर से शुक्रवार को २३.२० बजे खुलकर रविवार को ०७.४० बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। यह स्पेशल ट्रेन समस्तीपुर और लोकमान्य तिलक टर्मिनस के बीच मुजफ्फरपुर,हाजीपुर, पाटलिपुत्र दानापुर, आरा, बक्सर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.,प्रयागराज छिवकी, मनिकपुर सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, पिपरिया, इटारसी, खण्डवा, भुसावल, नासिक रोड, इगतपुरी एवं कल्याण स्टेशनों पर रूकेगी।

## नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में ०४ यात्रियों की मौत ३० लोग घायल

रे.स.ब्यू./सूत्रः हाजीपुर । दानापुर मंडल के रघुनाथपुर स्टेशन के निकट दिनांक ११. १०.२०२३ को रात्रि ०६.५३ बजे आनंद विहार टर्मिनस से कामाख्या जा रही गाड़ी संख्या १२५०६ नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हो गयी जिसमें ट्रेन के २३ कोच पटरी से उतर गए । पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक तरूण प्रकाश, दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जयंत कुमार चौधरी अन्य अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर मौजूद हैं । इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में ०४ यात्रियों की मौत हो गई, ०५ यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं तथा २५ यात्री साधारण रूप से घायल हुए । रेल प्रशासन द्वारा इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मृत यात्रियों के परिजनों को १०-१० लाख रूपए की अनुग्रह राशि दे दी गयी है । साथ ही दुर्घटना में घायल यात्रियों को ५०-५० हजार रूपए अनुग्रह राशि के रूप में दी गयी । सभी यात्रियों को घटनास्थल से गंतव्य तक की यात्र के लिए विशेष प्रबंध के तहत् रघुनाथपुर से एक स्पेशल ट्रेन खोला गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए रेल प्रशासन द्वारा एनडीआरएफ, स्थानीय प्रशासन आदि के सहयोग से सभी घायलों को रघुनाथपुर, आरा, बक्सर और पटना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिचालन पुनर्बहाली का कार्य प्रगति पर है । दुर्घटना के संबंध में सूचना मुहैया कराने के लिए हेल्पलाईन नं. खोले गए हैं। दुर्घटना की जांच संरक्षा आयुक्त (रेलवे), ईस्टर्न सर्किल, कोलकाता द्वारा किया जाएगा ।

## पाटलिपुत्र और गया के मध्य पूजा स्पेशल ट्रेन का किया जायेगा परिचालन

रे.स.ब्यू./सूत्रःहाजीपुर- आगामी पर्व त्यौहार के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु पाटलिपुत्र और गया के मध्य गाड़ी संख्या ०५५५३/०५५५४ पाटलिपुत्र-गया-पाटलिपुत्र स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। इस स्पेशल ट्रेन का परिचालन १५.१०.२०२३ से १५.१२.२०२३ तक प्रतिदिन किया जाएगा । गाड़ी संख्या ०५५५३ पाटलिपुत्र-गया स्पेशल १५.१०.२०२३ से १५.१२.२०२३ तक पाटलिपुत्र से प्रतिदिन १०.३० बजे प्रस्थान कर १४.०० बजे गया पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या ०५५५४ गया-पाटलिपुत्र स्पेशल गया से प्रतिदिन १४.४५ बजे प्रस्थान कर १८.२५ बजे पाटलिपुत्र पहुंचेगी। अप एवं डाउन दिशा में यह स्पेशल ट्रेन पाटलिपुत्र और गया के बीच फुलवारीशरीफ, पटना, पुनपुन, पोठही, तारेगना, जहानाबाद, मखदुमपुर गया और बेला स्टेशनों पर रूकेगी ।

## सम्पादकीय

# भारतीय इतिहास का स्वर्णिम दिन

भारत के राजनीतिक इतिहास मे १६ सितंबर २०२३ का दिन एक स्वर्णिम दिन बन गया है। अच्छी बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय इतिहास की सराहना की और पार्टीबाजी से ऊपर उठकर दिवंगत प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, शास्त्री से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह को याद किया। देश की संसद की नई और बड़ी इमारत में संसदीय कामकाज शुरू हो गया है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। अनेक खामियों और बाधाओं के बावजूद भारतीय संसदीय व लोकतांत्रिक व्यवस्था ने देश को एक मजबूत राजनीतिक, संवैधानिक और प्रशासनिक ढांचा दिया है। नई बिल्डिंग के उद्घाटन के दिन ही लोकसभा में राजनीति में महिलाओं के लिए ३३ फीसदी आरक्षण का बिल भी पेश किया गया है। इस बिल का पेश होना भारत के नव-निर्माण के लिए एक प्रेरणा, ऊर्जा के साथ मिलकर आगे बढ़ने के संकल्प को दर्शाता है। संसद भवन को लोकतंत्र का मंदिर कहते हैं, और इस मंदिर को भव्य बनाने के लिए पूरे ६६ साल बाद इसे फिर से एक नया रूप दिया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, संसद भवन का काम मोटा-मोटा पूरा हो चुका है और अब प्रधानमंत्री मोदी जी इसका उद्घाटन २८ मई २०२३ यानी दो दिन बाद करने वाले हैं। संसद भवन को लेकर आप सभी के मन में कई सवाल होंगे, आखिर इसको बनाने की जरूरत क्यों पड़ी? या फिर इसमें क्या नई-नई फैसिलिटीज जुड़ने वाली हैं। तो बता दें, साल १६२७ में पुराने संसद भवन का निर्माण किया गया था, उस समय वहीं सुविधाएं रखी गई जिनकी जरूरत थी, लेकिन आज कई चीजों का अभाव दिखने लगा है। इन सबको देखते हुए १० दिसंबर २०२० को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के नए भवन का शिलान्यास रखा था।

# आरपीएफ ने सितम्बर २०२३ के दौरान, ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत ८६५ बच्चों (लड़के-५७३ और लड़की-३२२) को बचाया

रे.स.ब्यू./सूत्रः रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के पास रेलवे संपत्ति, यात्री क्षेत्रों और यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। यात्रियों को सुरक्षित, संरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए बल चौबीसों घंटे काम कर रहा है। यह भारतीय रेलवे को अपने ग्राहकों को सुरक्षित माल परिवहन सेवा प्रदान करने में मदद करता है। आरपीएफ ने निवारक सुरक्षा उपाय करके और रेलवे संपत्ति के खिलाफ अपराध होने पर उनका पता लगाने के प्रयास करके देश भर में फैली रेलवे की विशाल संपत्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया है। सितम्बर २०२३ माह के दौरान आरपीएफ की उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है -बच्चों का बचाव और अ परेशन नन्हें फरिश्तेरू- अनेक कारणों से अपने परिवार से बिछुड़े/गुमशुदा बच्चों को उनके परिवार से मिलाने में आरपीएफ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस संबंध में, भारतीय रेलवे पर अ परेशन श्नन्हे फरिश्तेश शुरू किया गया था और इस अभियान के तहत सितम्बर महीने में भारतीय रेलवे के संपर्क में आए ८६५ से अधिक बच्चों (लड़के-५७३ और लड़की-३२२) को देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता थी जो सितम्बर २०२३ में भारतीय रेलवे के सम्पर्क में आए। उन्हें छुड़ाया गया और उनके परिवारों को सौंपने से पहले संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया। मानव तस्करी और अ परेशन एएएचटीः- मानव तस्करों की हानिकर योजनाओं का प्रभावी मुकाबला करने के लिए, आरपीएफ की मानव तस्करी विरोधी इकाइयां भारतीय रेलवे पर पोस्ट स्तर (थाना स्तर) पर कार्यरत हैं। ये एएचटीयू मानव तस्करी को रोकने में शामिल एजेंसियों और गैर सरकारी संगठनों के साथ नियमित संपर्क में हैं और तस्करी के शिकार बच्चों को बचाने में उनकी सहायता कर रहे हैं। सितम्बर २०२३ के दौरान १४ तस्करों की गिरफ्तारी के साथ २६ लोगों को तस्करों के चंगुल से बचाया गया। ऑपरेशन जीवन रक्षाः- आरपीएफ की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण, ऑपरेशन जीवन रक्षा के अंतर्गत सितम्बर २०२३ के महीने में टीम आरपीएफ ने २६५ यात्रियों की प्लेटफार्मो और रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटने से जान बचाई। महिला सुरक्षाः- महिला यात्रियों की रक्षा और सुरक्षा भारतीय रेलवे की एक महत्वपूर्ण चिंता रही है। इस संबंध में, लंबी दूरी की ट्रेनों में महिला यात्रियों, विशेषकर अकेले यात्रा करने वाली या अपराध की चपेट में आने वाली महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए मेरी सहेली पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत, २३१ मेरी सहेली टीमों ने सितम्बर २०२३ के महीने के दौरान १३०७१ ट्रेनों में सफर किया और ४२११६८ महिला यात्रियों को सुरक्षा आश्वासन प्रदान किया।

# उत्तर रेलवे ने वाराणसी यार्ड रीम डलिंग का कार्य निर्धारित समय-सीमा से पहले पूर्ण किया

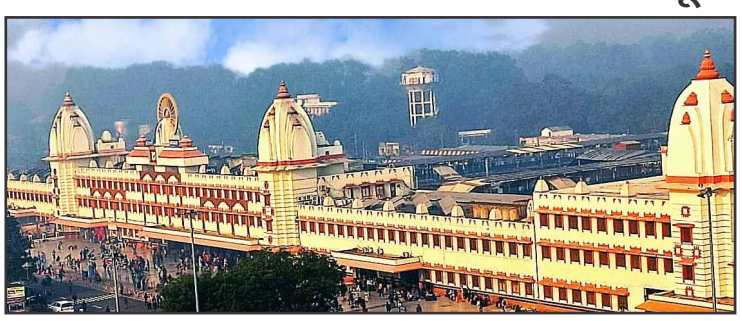

साभारः महाप्रबंधक उत्तर रेलवे ने बताया कि रेल यात्रीयो को बेहतर तथा सुरक्षित रेल सेवाएं प्रदान करना रेलवे की सर्वोच् प्राथमिकता रहा है। इसी क्रम में बहुप्रतीक्षित वाराणसी यार्ड रीम डलिंग का कार्य आज दिनांक १५.१०.२०२३ को संपन्न कर लिया गया।

उल्लेखनीय है कि इस कार्य को पूर्ण करने हेतु ७० दिन का लक्ष्य निर्धारित था परन्तु रेलवे की योजनाबद्ध रणनीति एवं कठिन परिश्रम से यह कार्य दिनांक ०१.०६.२०२३ मध्य रात्रि से दिनांक १५.१०.२३ तक मात्र ४५ दिनों के भीतर करने का प्रण किया गया और अथक प्रयासों से यह कार्य आज दोपहर दिनांक १५.१०.२०२३ को निर्धारित समय सीमा से पूर्व ही संपन्न हो गया। इस कार्य के अन्तर्गत एक विशाल ६६३ रूट इलेक्ट्रोनिक इंटरलॉकिंग की स्थापना जिसमें २८३ सिग्नल, २१४ प्वाइंट के साथ ६ दिशाओं में ब्लॉक वर्किंग शामिल है, जिसमें १५८ नए टर्नआउट वाले यार्ड में संशोधन और लगभग ३८ किमी के रूट इंटरलॉकिंग के साथ ट्रैक लिंकिंग को उत्तर रेलवे के विभिन्न विभागों के अथक परिश्रम, योजना और समन्वय के बाद प्रारंभ किया गया है।

इसमें ३८ कि.मी. से अधिक का नया ट्रैक बिछाना शामिल था। वाराणसी जं के यार्ड री-मॉडलिंग के पूर्ण होने से यात्री एवं मालगाड़ियों का आवागमन सुगम होगा। इस कार्य के अंतर्गत वाराणसी जं पर होने वाले संरचनात्मक कार्यो एवं यात्री सुविधाओं का विवरण निम्न है । ● वाराणसी यार्ड में लूप की लंबाई और प्लेटफॉर्म की लंबाई में वृद्धि।

● प्लेटफार्म संख्या १ से ४ तक की लाइनों का पूर्वोतर रेलवे के बनारस स्टेशन, प्लेटफार्म संख्या १ से ५ तक की लाइनों का लोहता स्टेशन एवं प्लेटफार्म संख्या ६ से ६ तक की लाइनों का शिवपुर स्टेशन से सीधा जुड़ाव होगा जिससे आवागमन सुगम होगा।

●वाराणसी सिटी (BCY) और पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन (DDU) की ओर से सभी प्लेटफार्मो (१ से ६) की कनेक्टिविटी। ● वाराणसी जंक्शन (BSB) और वाराणसी सिटी (BCY) के बीच में दोहरीकरण का कार्य पूर्ण किया गया। ●वाराणसी जं पर दो अतिरिक्त पूर्ण लंबाई वाले यात्री प्लेटफार्म (१० और ११) और तीसरे प्रवेश द्वार का प्रावधान ।

● शिवपुर की ओर से गुड्स बाईपास लाइन का निर्माण जिससे यार्ड के माध्यम से क्रॉस-मूवमेंट कम होगा।

# 34.22% INCREASE IN NON-FARE REVENUE EARNINGS OF METRO

Source/CPRO/Metro Railway/Kolkata: Indian Railways is encouraging all Zonal Railways to take various initiatives to increase its Non-Fare Revenue in order to boost earnings apart from the traditional sources of income. Metro Railway, as part of Indian Railways has been playing a proactive role to make this initiative successful and various innovative steps have been adopted to increase its revenue which is in general totally dependent on passenger earnings.As part of that endeavour, Metro Railway has been focusing on generating revenues through branding of Litter Bins at stations, displaying advertisements inside and outside Metro rakes, displaying hoardings in open spaces and installing health check up kiosks at different stations, handle chain branding etc. In an another unique initiative, 204 Litter Bins at 34 stations of North-South and East-West Corridors have been branded so far. Handle chains of different Medha rakes are also being branded.Apart from this, Metro Railway has also implemented innovative ideas like Track Sidewalls Branding, Card Balance Checking Terminal (CBCT) Branding, Automatic Smart Card Recharge Machine (ASCRM) Branding, AFC-PC Gates and Flap Branding, installation of food kiosks, Smart Card and Token Branding, installing digital display screens inside rakes for providing infotainment to commuters etc. Such initiatives have helped to increase Metro Railway's Non-Fare Revenue to a great extent. With such concerted efforts Metro Railway has earned Rs. 19.57 crores during 1st April, 2023 to 30th September, 2023 as Non Fare Revenue (NFR). In 2022-23 Metro had earned Rs.14.58 crores as NFR during the same period (i.e. April,2022 to September,2022). This is an increase of 34.22%.

# ट्रेनों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए समर्पित-टीम रेलवे सुरक्षा बल ने वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन २०२३ में लगाई दौड़

साभारः महिलाओं के लिए ट्रेनों में सुरक्षित यात्रा को बढ़ावा देने के लिए डीजी रेलवे सुरक्षा बल मनोज यादव के नेतृत्व में रेलवे सुरक्षा बल की २५ सदस्यीय मजबूत टीम ने वीडीएचएम २०२३ में भाग लिया। टीम में डीजी रेलवे सुरक्षा बल के अलावा ०१ डीआइजी रैंक के अधिकारी, ०२ एसपी रैंक के अधिकारी, ०१ डीएसपी रैंक के अधिकारी, ०२ इंस्पेक्टर, ०१ एसआई, ०२ हेड कांस्टेबल और १५ कांस्टेबल शामिल थे। दौड़ के पीछे का उद्देश्य भारतीय रेलवे नेटवर्क पर महिलाओं की सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेलवे सुरक्षा बल की विभिन्न पहलों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता पैदा करना था। विशेष रूप से ष्मेरी सहेली पहल पर ध्यान केन्द्रित किया गया। महिलाओं को सशक्त बनाना भारत के विकास दृष्टिकोण का एक अपरिहार्य हिस्सा है। हमारे माननीय प्रधान मंत्री द्वारा परिकल्पित समृद्ध भारत को प्राप्त करना सार्वजनिक स्थानों, विशेष रूप से व्यापक सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर निर्भर है। चूंकि रेलवे सार्वजनिक परिवहन के प्राथमिक साधन के रूप में काम करता है, इसलिए हर दिन ट्रेन से यात्रा करने वाली लगभग ४.५ मिलियन महिलाओं की सुरक्षा हमारे देश के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है। रेल मंत्रालय के तहत काम करने वाला रेलवे सुरक्षा बल (रेलवे सुरक्षा बल) महिला रेल यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए लगन से काम कर रहा है। भारत के विशाल रेलवे नेटवर्क पर काम कर रही मेरी सहेली टीमें लंबी दूरी की ट्रेनों में अकेले यात्रा करने वाली अनगिनत महिलाओं को सहायता और सुरक्षा प्रदान कर रही हैं।

रेलवे सुरक्षा बल के लगभग ६% कर्मियों में महिलाएं शामिल हैं, वे ट्रेनों में और रेलवे परिसर के भीतर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने पुरुष समकक्षों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करती हैं। २०२३ में, रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों ने चलती ट्रेनों के पास खतरनाक परिस्थितियों से ८६२ महिलाओं को बचाकर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत, उन्होंने २,८६८ अकेली लड़कियों को भी बचाया है, जो स्टेशनों और ट्रेनों में खतरे में थीं, और उन्हें किसी नुकसान में पड़ने से रोका गया। इसके अलावा, उन्होंने ५१ नाबालिग लड़कियों और ६ महिलाओं को मानव तस्करों के चंगुल से बचाया है।

रेलवे सुरक्षा बल महिला कर्मियों ने उनकी गोपनीयता और गरिमा का अत्यधिक सम्मान करते हुए, ट्रेन यात्रा के दौरान प्रसव पीड़ा से गुजर रही १३० माताओं की डिलीवरी में सहायता की है। १८५,००० से अधिक हेल्पलाइन क लों का जवाब देते हुए, रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों ने यात्रियों के मुद्दों को हल करने के लिए तेजी से काम किया है,विशेष रूप से निराश्रित, अस्वस्थ, बुजुर्गो और विशेष रूप से विकलांग महिलाओं जैसे संकटग्रस्त महिलाओं को प्रभावित करने वाले मुद्दों को हल करने के लिए।

जन जागरूकता बढ़ाने और सहयोग जुटाने के लिए, रेलवे सुरक्षा बल टीम ने इस नेक काम के लिए अतिरिक्त प्रयास करते हुए १५ अक्टूबर २०२३ को दिल्ली हाफ मैराथन में भाग लिया था।

भारत के विभिन्न हिस्सों और महानिदेशक से लेकर कांस्टेबलों तक विभिन्न रैंकों की २५ सदस्यीय मजबूत टीम ने रेलवे सुरक्षा बल के अखिल भारतीय चरित्र का प्रतिनिधित्व किया।

इस टीम में पंजाब, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र की चार महिला रेलवे सुरक्षा बल कर्मी भी शामिल थीं, जो रेलवे सुरक्षा बल नारीशक्ति के प्रतिनिधि के रूप में कार्यरत थीं।

मैराथन मार्ग के साथ, रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों ने जनता के साथ मिलकर, बैनर प्रदर्शित किए, और रेलवे में महिला सुरक्षा पर प्रकाश डालने के लिए पर्चे बांटे और इस मुद्दे को बढ़ावा देने के लिए सभी हितधारकों से समर्थन मांगा।

राष्ट्रभाषा किसी व्यक्ति या प्रांत की संपत्ति नहीं है, इस पर सारे देश का अधिकार है।
सरदार वल्लभ भाई पटेल

## Special Lecture on "Analysis of Vendors Approval Process and Common Mistakes" organized in BLW

As per the guideline provided by Railway Board, in the context of Vigilance Awareness Campaign, a special lecture on "Analysis of Vendors Approval Process and Common Mistakes" was organized at Banaras Locomotive Works, Varanasi in which more than hundred officers and employees of BLW participated. First of all, Chief Vigilance Officer Shri P.K. Chaudhary welcomed the chief guest, General Manager, Shri Basudev Panda and the keynote speaker Shri Arun Kumar, Chief Vigilance Officer, RDSO, with a flower bunch. In the program organized by the Vigilance Department in the Auditorium Hall of the Technical Training Centre, Arun Kumar, Chief Vigilance Officer, RDSO Lucknow, in his lecture, discussed in detail the precautions to be taken in the Vendor Approval Process and the standard procedures made for this in RDSO. So that the process of vendor development is strengthened. BLW General Manager Panda also stressed on increasing the vendor base as much as possible. Chief Vigilance Officer Pramod Kumar Choudhary and Chief Vigilance Officer, RDSO, Arun Kumar resolved some questions asked in the seminar related to vendor development and tenders. The theme of today's lecture was "Oppose corruption, remain dedicated to the nation".At the end of the program, Chief Guest General Manager Panda said in his address that the selection process of vendors should be completely transparent and if even the slightest deterioration in the quality of goods is found, immediate action should be taken. He said that corruption is a disease which can be defeated with awareness, punctuality and precision. At the end, vendor specific questions were asked by the officials present, which were given detailed information by the lecturer. Principal Chief Electrical Engineer S.K. Srivastava, Principal Chief Mechanical Engineer Shishir Dutt, Principal Chief Engineer Vinod Bampal, including officers a large number of employees were also present.

# आगरा फोर्ट स्टेशन पर कैबिनेट मंत्री व अछनेरा स्टेशन पर सांसद फतेहपुर सीकरी श्रमदान में शामिल हुए

रे.स.ब्यू./सूत्र आगरा। रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशानुसार उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल में मंडल रेल प्रबंधक तेज प्रकाश अग्रवाल के मार्ग दर्शन में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छता के लिए श्रमदान किया गया। आगरा मंडल में दिनांक १६ सितम्बर से ०२ अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। श्रमदान दिवस के अंतर्गत आगरा मंडल में ३०३ जगह पर नामित अधिकारयो द्वारा साफ-सफाई कर श्रमदान किया गया। आगरा फोर्ट स्टेशन पर माननीय कैबिनेट मंत्री एस. पी. सिंह बघेल एवं मंडल रेल प्रबंधक आगरा ते प्रकाश अग्रवाल व रेलवे के अधिकारी, कर्मचारी, ZRUCC, DRUCC सदस्य, स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारजन एवं अन्य प्रतिनिधि शामिल हुए जिन्होंने स्टेशन पर ०१ घंटे श्रमदान कर स्टेशन को स्वच्छ करने में सहयोग प्रदान किया। मंत्री द्वारा स्काउट गाइड के बच्चों से वार्तालाप की। आगरा फोर्ट स्थित वीआईपी रूम में मंत्री जी द्वारा कुलियो एवं ZRUCC,DRUCC सदस्य, स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार एवं अन्य प्रतिनिधियो से वार्ता की। अछनेरा स्टेशन पर स्वच्छता पखवाड़ा के तहत सांसद राजकुमार चाहर, अपर मंडल रेल प्रबंधक वीरेंद्र वर्मा तथा विजय महारानी इंटर कालेज के १०० बच्चो सहित सभी विभागों के कर्मचारियों ने इस प्रोग्राम में शामिल होकर श्रमदान किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा के श्रमदान दिवस के अवसर पर आगरा छावनी स्टेशन पर देव टेक्निकल कॉलेज, कुबेरपुर एवं माया भारती पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा श्रमदान किया गया, इस दौरान स्टेशन निदेशक व सभी विभागों के कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में शामिल होकर श्रमदान किया ।

मंडल के आगरा छावनी ,मथुरा जंक्शन, धौलपुर ,राजा की मंडी कोसीकला, फतेहपुर सीकरी स्टेशन पर श्रमदान किया गया। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत यात्रियों को प्लेटफॉर्म को साफ-सुथरा रखने के लिए स्टेशनों पर उदघोषणा के साथ-साथ पोस्टरों, बैनरों, स्टीकर एवं इलेक्ट्रोनिक डिस्प्ले बोर्ड द्वारा स्टेशन परिसर में गन्दगी न फैलाने तथा साफ-सफाई के साथ स्वच्छता के बारे में नामित अधिकारीयों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा बताया जा रहा है।

# कौशल दीक्षांत समारोह आज के भारत की प्राथमिकताएं दर्शाता है-पीएम मोदी

पसूका/नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो संदेश के माध्यम से कौशल दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कौशल विकास का यह उत्सव अपने आप में अद्वितीय है और देश भर के कौशल विकास संस्थानों के संयुक्त दीक्षांत समारोह का आज का आयोजन एक बहुत ही सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि कौशल दीक्षांत समारोह आज के भारत की प्राथमिकताओं को दर्शाता है। दिनांकः १२.१०.२०२३ को प्रधानमंत्री ने प्रौद्योगिकी के माध्यम से इस आयोजन से जुड़े हजारों युवाओं की उपस्थिति को स्वीकार करते हुए सभी युवाओं को अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने किसी भी देश की ताकत जैसे उसके प्राकृतिक या खनिज संसाधनों या उसकी लंबी तटरेखाओं का उपयोग करने में युवाओं की शक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि देश मजबूत युवाशक्ति के साथ अधिक विकसित होता है, जिससे देश के संसाधनों के साथ न्याय होता है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आज समान सोच भारत के युवाओं को सशक्त बना रही है जो पूरे इको-सिस्टम में अभूतपूर्व सुधार कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, श्श्इसमें देश का दृष्टिकोण दोतरफा है। उन्होंने बताया कि भारत अपने युवाओं को कौशल और शिक्षा के माध्यम से नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार कर रहा है, क्योंकि उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर प्रकाश डाला जो लगभग ४ दशकों के बाद स्थापित की गई है। प्रधानमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि सरकार बड़ी संख्या में नए मेडिकल क लेज और आईआईटी, आईआईएम या आईटीआई जैसे कौशल विकास संस्थान स्थापित कर रही है। उन्होंने उन करोड़ों युवाओं का उल्लेख किया, जिन्हें प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री ने कहा कि रोजगार प्रदान करने वाले पारंपरिक क्षेत्रों को भी मजबूत किया जा रहा है, जबकि रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाले नए क्षेत्रों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत द्वारा माल निर्यात, मोबाइल निर्यात, इलेक्ट्रॉनिक निर्यात, सेवा निर्यात, रक्षा निर्यात और विनिर्माण में नए रिकॉर्ड बनाने और साथ ही अंतरिक्ष, स्टार्टअप, ड्रोन, एनीमेशन, इलेक्ट्रिक वाहन, अर्धचालक जैसे कई क्षेत्रों में युवाओं के लिए बड़ी संख्या में नए अवसर पैदा करने का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने इसके लिए भारत की युवा आबादी को श्रेय देते हुए कहा, आज पूरी दुनिया इस बात पर विश्वास कर रही है कि यह सदी भारत की सदी होगी। मोदी ने रेखांकित किया कि जब दुनिया के कई देशों में बुजुर्गो की आबादी बढ़ रही है, भारत हर गुजरते दिन के साथ युवा हो रहा है। भारत को इसका बहुत बड़ा फायदा है, उन्होंने जोर देकर कहा कि दुनिया अपने कुशल युवाओं के लिए भारत की ओर देख रही है। उन्होंने बताया कि ग्लोबल स्किल मैपिंग को लेकर भारत के प्रस्ताव को हाल ही में जी२० शिखर सम्मेलन में स्वीकार कर लिया गया, जिससे आने वाले समय में युवाओं के लिए बेहतर अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने किसी भी अवसर को बर्बाद न करने का सुझाव दिया और आश्वासन दिया कि सरकार इस उद्देश्य का समर्थन करने के लिए तैयार है। श्री मोदी ने पिछली सरकारों में कौशल विकास के प्रति उपेक्षा की ओर इशारा करते हुए कहा, हमारी सरकार ने कौशल के महत्व को समझा और इसके लिए एक अलग मंत्रालय बनाया और एक अलग बजट आवंटित किया। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत अपने युवाओं के कौशल में पहले से कहीं अधिक निवेश कर रहा है और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का उदाहरण दिया जिसने युवाओं को जमीनी स्तर पर मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस योजना के तहत अब तक करीब १.५ करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। उन्होंने आगे कहा कि औद्योगिक समूहों के पास नए कौशल केंद्र भी स्थापित किए जा रहे हैं जो उद्योग को कौशल विकास संस्थानों के साथ अपनी आवश्यकताओं को साझा करने में सक्षम बनाएंगे, जिससे बेहतर रोजगार के अवसरों के लिए युवाओं के बीच आवश्यक कौशल समूह विकसित होंगे। स्किलिंग, अपस्किलिंग और री-स्किलिंग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने नौकरियों की तेजी से बदलती मांगों और प्रकृति पर ध्यान दिया तथा तदनुसार कौशल को उन्नत करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसलिए उद्योग, अनुसंधान और कौशल विकास संस्थानों के लिए वर्तमान समय के अनुरूप सामंजस्य होना बहुत महत्वपूर्ण है। कौशल पर बेहतर ध्यान देने का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले ६ वर्षो में देश में लगभग ५ हजार नए आईटीआई स्थापित किए गए हैं, जिसमें ४ लाख से अधिक नई आईटीआई सीटें शामिल हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों के साथ कुशल और उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से संस्थानों को मॉडल आईटीआई के रूप में उन्नत किया जा रहा है। "भारत में कौशल विकास का दायरा लगातार बढ़ रहा है। हम केवल मैकेनिकों, इंजीनियरों, प्रौद्योगिकी या किसी अन्य सेवा तक सीमित नहीं हैं", प्रधानमंत्री ने कहा क्योंकि उन्होंने उल्लेख किया था कि महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रौद्योगिकी के लिए तैयार किया जा रहा है। रोजमर्रा के जीवन में विश्वकर्माओं के महत्व पर जोर देते हुए, मोदी ने पीएम विश्वकर्मा योजना का उल्लेख किया जो विश्वकर्माओं को अपने पारंपरिक कौशल को आधुनिक तकनीक और उपकरणों के साथ जोड़ने में सक्षम बनाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था का विस्तार हो रहा है, युवाओं के लिए नई संभावनाएं पैदा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत में रोजगार सृजन नई ऊंचाई पर पहुंच गया है और एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार भारत में बेरोजगारी दर ६ साल में सबसे निचले स्तर पर है। यह देखते हुए कि भारत के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बेरोजगारी तेजी से कम हो रही है, प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विकास का लाभ गांवों और शहरों दोनों तक समान रूप से पहुंच रहा है, और इसके परिणामस्वरूप, गांवों और शहरों दोनों में नए अवसर समान रूप से बढ़ रहे हैं। उन्होंने भारत के कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी में अभूतपूर्व वृद्धि का भी जिक्र किया और महिला सशक्तिकरण के संबंध में पिछले वर्षो में भारत में शुरू की गई योजनाओं और अभियानों के प्रभाव को श्रेय दिया। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा जारी हालिया आंकड़ों पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत आने वाले वर्षो में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। उन्होंने भारत को दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में ले जाने के अपने संकल्प को भी याद किया और कहा कि आईएमएफ को भी भरोसा है कि अगले ३-४ वर्षो में भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। उन्होंने रेखांकित किया कि इससे देश में रोजगार और स्वरोजगार के नये अवसर पैदा होंगे।

प्रधानमंत्री ने संबोधन का समापन करते हुए स्मार्ट और कुशल जनशक्ति समाधान प्रदान करने के लिए भारत को दुनिया में कुशल जनशक्ति का सबसे बड़ा केंद्र बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "सीखने, सिखाने और आगे बढ़ने की प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए। आप जीवन में हर कदम पर सफल हों।"

## बिना उचित कारण अलार्म चेन खीचने (ACP) वालों के विरुद्ध आगरा मण्डल में निरंतर चलाया जा रहा सघन चेकिंग अभियान

रे.स.ब्यू./सूत्रः मंडल रेल प्रबंधक आगरा तेज प्रकाश अग्रवाल के दिशा निर्देशन व वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त अनुभव जैन के निर्देशन में आगरा मंडल में ०१ जुलाई से ३० सितम्बर-२०२३ तक बिना उचित कारण अलार्म चेन खीचने(ACP) वालों के विरुद्ध ५०७ लोंगो पर कार्यवाही करके १७६४६५/-रूपये जुर्माना वसूला गया। आगरा मण्डल सभी रेल उपयोगकर्ताओं के लिए बेहतर यात्री सुविधाओं को उपलब्ध कराने के क्षेत्र में निरंतर प्रयासरत है। इन्ही प्रयासों के क्रम में आगरा मण्डल के वाणिज्य विभाग एवं रेलवे सुरक्षा बल द्वारा बिना उचित कारण के अलार्म चेन खीचने वालों के विरुद्ध निरंतर सघन चेकिंग अभियान चलाये जा रहे है। ०१ जुलाई से ३० सितम्बर -२०२३ तक बिना उचित कारण अलार्म चेन खीचने(ACP) वालों के विरुद्ध ५०७ लोंगो पर कार्यवाही करते हुए १७६४६५/- रूपये का जुर्माना वसूला गया है। जिसमे आगरा छावनी रेलवे स्टेशन पर १३६ लोंगो पर कार्यवाही कर २११८५/-रु.,मथुरा जं. स्टेशन पर ३४१ लोंगो पर कार्यवाही कर १४०८८०/-रु. धौलपुर स्टेशन पर २७ लोंगो पर कार्यवाही कर १४४००/- रु का जुर्माना वसूला गया।

रेल प्रशासन अपने सम्मानित यात्रियों से अनुरोध करता है कि बिना उचित एवं पर्याप्त कारण के चेन पुलिंग न करें, ऐसा करना दंडनीय अपराध है। उक्त दृत्य से आपके साथी यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

## पाठकों से

आपको यह अंक कैसा लगा? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते है। कृपया अपने सुझावों, आलोचनाओं से अवश्य ही अवगत करायें। आपके पत्रों का हमें इंतजार रहेगा।

प्रधान सम्पादक

# महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने किया रेल कर्मचारियों को सम्मानित

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज सितम्बर माह के लिए महाप्रबन्धक, उत्तर मध्य रेलवे, सतीश कुमार द्वारा संरक्षा के प्रति किए गए उत्कृष्ट कार्यो के लिए झांसी, आगरा एवं प्रयागराज मण्डलों से चयनित १२ रेल कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए। दिनांक ११.१०.२०२३ को इस अवसर पर झाँसी मंडल के राजेन्द्र कुमार, ट्रैक मेन्टेनर मुरैना/झांसी मण्डल को सितम्बर के लिए माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार दिया गया । राजेन्द्र कुमार ने मानसून गश्त के दौरान समय लगभग ६.१५ बजे देखा गया कि किमी १२८८/३४-३६ पर हेतमपुर-धौलपुर डाउन खण्ड में अत्यधिक वर्षा के कारण सेस कट गयी है जिससे ट्रैक असुरक्षित हो गया। इन्होंने ट्रेन सं० १२६२७ कर्नाटक एक्सप्रेस को रोका व पीडब्ल्यूआई को सूचना दी । इस प्रकार त्वरित कार्यवाही करके एक संभावित दुर्घटना को रोका गया।

**सभी जेड.आर.यू.सी.सी./डी.आर.यू.सी.सी.सदस्य**

उक्त पत्रिका आपको नियमित रूप से भेजी जा रही है। कृपया अपने परिक्षेत्र में हुए रेल सुधारों /सुझावों के बारे में अपना लेख प्रकाशन हेतु हमें भेजने की कृपा करें।

प्रधान सम्पादक- ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव
मो. 9793956044, 9935224867

# रेल मंत्रालय ने विशेष अभियान ३.० के दौरान अनेक उपलब्धियां की गई हासिल

पसूका/नई दिल्ली: रेल मंत्रालय ने जोनल मुख्यालयों, मंडल कार्यालयों, उत्पादन इकाइयों, आरडीएसओ, प्रशिक्षण संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और ७००० स्टेशन समेत देश भर में विस्तारित संपूर्ण भारतीय रेलवे पर पूरे उत्साह और उल्लास के साथ विशेष अभियान ३.० शुरू किया है। रेलवे ने ३१.१०.२०२३ तक १०,७२२ स्वच्छता अभियान आयोजित करने का लक्ष्य रखा है। इस अभियान के दौरान कार्यालयों एवं कार्यस्थलों पर स्क्रैप डिस्पोजल पर विशेष ध्यान दिया गया तथा ३,१८५०४ वर्ग फुट स्थान खाली कराने का लक्ष्य रखा गया। इन लक्ष्यों को अर्जित करने के लिए, १३ अक्टूबर, २०२३ तक ५,२६७ से अधिक स्वच्छता अभियान चलाए गए हैं। अभियान के दौरान १.०२ लाख से अधिक जन शिकायतों का समाधान किया गया। इस अभियान के दौरान, कार्यालयों और कार्यस्थलों में स्क्रैप निपटान पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप ३६७६१६ वर्ग फुट स्थान खाली किया गया और कार्यालय स्क्रैप के निपटान से लगभग ६६.८३ लाख रुपये राजस्व सृजित हुआ। रिकॉर्डिंग और छंटनी के उद्देश्य से ५१,६५४ से अधिक फाइलों की समीक्षा की गई है।

# SPECIAL SWACHHTA CAMPAIGN 3.0 AT DIFFERENT STATIONS OF BLUE LINE, GREEN LINE AND PURPLE LINE

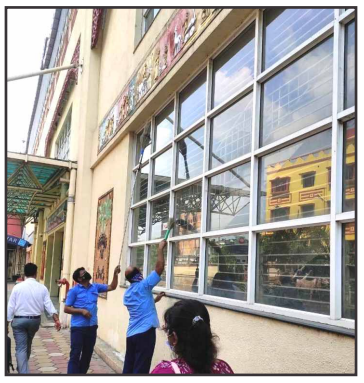

Source/CPRO/Metro Railway/Kolkata: Metro Railway has been conducting 'Special Campaign 3.0' from 02.10.2023 to 31.10.2023. During this campaign intensive cleaning and sanitization drives at stations, trains, colonies, hospital and other railway establishments were carried out. Metro staff made commuters aware about the importance of cleanliness and sought their co-operation to maintain the highest standard of cleanliness in the Metro premises. All the stations of Metro Railway, Blue Line, Green Line and Purple Line were covered under this campaign.A special cleanliness campaign was conducted today i.e. on 11.10.2023 at Mahatma Gandhi Road, Kavi Subhash, Bengal Chemical and Behala Bazar also at different stations of Blue Line, Green Line and Purple Line.Repeated announcements were made through Public Address System to create awareness among the passengers about the importance of cleanliness in our life.

# ग्वालियर स्टेशन पर शुद्ध शीतल पेयजल हेतु RO प्लांट का प्रावधन

साभार: रेल प्रशासन अपने सम्मानित ग्राहक यात्रियों की सेवा में निरंतर अग्रसर रहता है। इसी क्रम में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के कुशल निर्देशन में मंडल के ग्वालियर स्टेशन प्लेटफॉर्म क्रमांक २/३ झांसी छोर पर शुद्ध शीतल पेयजल वितरण हेतु उच्च क्षमता के नए आर ओ प्लांट का संस्थापन किया गया है। शीघ्र ही इस प्रकार के प्लांट मंडल के सभी स्टेशन तथा प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराए जाएंगे। अवगत कराया जाता है कि लम्बे समय से अपरिहार्य कारणों से खराब बंद पड़े सभी शुद्ध शीतल पेयजल वितरण आर ओ प्लांट पर मंडल प्रशासन द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए, नए प्लांट्स का संस्थापन कराया जा रहा है। नव संस्थापित आर ओ प्लांट की दरों को न्यूनतम रखा गया है, जिसमें ३०० उस पानी के लिए मात्र रु.०२/- तथा गिलास / कंटेनर के साथ रु. ०३/- भुगतान करना होगा द्य इसी प्रकार ५०० उस पानी के लिए रु. ०३/- तथागिलास / कंटेनर के साथ रु. ०५/- भुगतान करना होगा, १ लीटर पानी के लिए रु. ०५/- तथा बोतल के साथ रु. ०८/-, दो लीटर पानीका दाम रु. ०८/- तथा कंटेनर के साथ रु. १२/- और ५ लीटर पानी हेतु पानी का मूल्य २०रु. तथा कंटेनर सहित कंटेनर के साथ रु. २५/- अदा करना होगा। जो की बाजा कीमतों से काफी कम है।

# रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा आगासौद-धौर्रा रेलखंड के मध्य नवनिर्मित तीसरी रेल लाइन का विस्तृत निरीक्षण तथा स्पीड ट्रायल

साभार: रेल संरक्षा आयुक्त सेन्ट्रल परिक्षेत्र मुंबई मनोज अरोरा द्वारा आगासौद-धौर्रा रेलखंड पर (२६.५० किमी) नव निर्मित तीसरी लाइन का विस्तृत निरीक्षण व स्पीड ट्रायल किया गया। निरीक्षण के दौरान उक्त रेल खंड के अंतर्गत आने वाले ट्रैक्शन, सिग्नल, गेट, OHE, ब्रिज, ट्रैक, ट्रैक-पॉइंट्स आदि सभी इंस्टालेशन तथा उनकी कार्य क्षमता की गहनता से परख की गयी। इस दौरान उन्होंने इंस्पेक्शन कैरिज तथा मोटर ट्राली के माध्यम से सभी प्रकार के छोटे बड़े-नए संस्थापनों को बारीकी से देखा। निरीक्षण उपरान्त सम्बंधित नव स्थापित ट्रैक पर १२० किमी प्रति घंटा की अधिक रफ्तार से स्पीड ट्रायल के माध्यम से ट्रैक की गुणवत्ता, राइडिंग क्वालिटी आदि की परख ली गयी। इस दौरान संरक्षा सम्बंधित सभी संस्थापनों का सघन निरीक्षण कर परख की गयी। रेल संरक्षा आयुक्त की अनुमति के उपरान्त, यह नव निर्मित तीसरी लाइन रेल खंड यात्री गाड़ियों एवं मालगाड़ी के सुरक्षित, सुगम व गतिमय संचालन हेतु उपलब्ध होगा। इस तीसरी लाइन के खंड के प्रारंभ होने से वीरांगना लक्ष्मीबाई बीना रेल खंड पर गाड़ियाँ के संचालन में सुगमता व तीव्रता आएगी तथा समय पालनता में निश्चित वृद्धि होगी । अत्यंत हर्ष का विषय है कि झाँसी–बीना तीसरी लाइन का कार्य संपन्न होने जा रहा है। उक्त कार्य के अंतर्गत जाखलौन-धौर्रा लगभग १२ किलोमीटर रेलखंड का भाग शेष है, जिसको छोड़कर उक्त रेलखंड पर तीसरी लाइन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उल्लेखनीय है झाँसी मंडल के धौलपुर–आगासौद तीसरी लाइन प्रोजेक्ट के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से जाखलौन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त झाँसी धोलपुर के मध्य ग्वालियर-मुरैना तथा आंतरी-डबरा रेलखंड पर तीसरी लाइन का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। झाँसी-डबरा, मुरैना-हेतमपुर तथा आंतरी -ग्वालियर रेलखंड पर तीसरी लाइन का कार्य प्रगति पर है।

रेल संरक्षा आयुक्त के निरीक्षण के दौरान रेल संरक्षा आयुक्त के साथ मुख्यालय से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) मंजुल माथुर , मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा, सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर में रेल संपर्क को बढ़ावा

साभारः केन्द्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार, श्री अश्विनी वैष्णव ने जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रो. (डॉ) माणिक साहा के साथ आज वीडियो कन्फ्रेंसिंग के जरिये सप्ताह में तीन दिन चलने वाली ट्रेन नंबर १५६१७/१५६१८ दुल्बचेर्रा - गुवाहटी रेलगाड़ी, ट्रेन नंबर ०७६८८/०७६८७ अगरतला-सबरूम डेमू ट्रेन, ट्रेन नंबर १२५१४/१२५१५ गुवाहटी-सिकंदराबाद एक्सप्रेस को सिल्चर (असम) तक बढ़ाने और ट्रेन नंबर १२५१६/१२५२० कामाख्या- लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस को अगरतला (त्रिपुरा) तक विस्तार को हरी झंडी दिखाई। जम्मू और कश्मीर में बड़गाम- बनिहाल रेलगाड़ी के लिये नये विस्टाडोम डिब्बों को भी हरी झंडी दिखाई गई। कार्यक्रम के दौरान अनेक गणमान्य लोग वीडियो कन्फ्रेंसिंग के जरिये जुड़े हुये थे। अश्विनी वैष्णव ने इस अवसर पर कहा, ''पिछले नौ वर्ष के दौरान, उत्तर-पूर्व के राज्यों और जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव देखा गया है और यह बदलाव जमीन पर स्पष्ट देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री ने ६० बार से अधिक बार उत्तर-पूर्व राज्यों की यात्रा की है जो कि उनसे पहले रहे भारत के प्रधानमंत्रियों की यात्राओं से अधिक है। धारा ३७० हटने के बाद से जम्मू और कश्मीर के विकास में तेजी आई है। हाल ही में जी२० की बैठकें जम्मू और कश्मीर राज्य में हुई। इन दोनों क्षेत्रों में रेलवे की भी कई विकास परियोजनायें चल रहीं हैं। रेलवे ने उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिये १०,२६६ करोड़ रूपये का वार्षिक बजट आवंटित किया है, जबकि इससे पहले यह २,१२२ करोड़ रूपये के आसपास था। उत्तर-पूर्व राज्यों में रेलवे की विभिन्न परियोजनायें तेजी से आगे बढ़ रहीं हैं। उत्तर-पूर्व के लिये दो वंदेभारत ट्रेन चलाने की भी योजना है। जम्मू और कश्मीर में चेनाब पुल, अंजी पुल, सुरंगों का विकास कार्य कुछ हिस्सों को छोड़कर पूरा हो चुका है। रेलवे उत्तर-पूर्व राज्यों में व्यापक बदलाव के लिये काम कर रहा है। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस अवसर पर कहा, ''बनिहाल और बड़गाम के बीच विस्टाडोम कोच लगाना रेलवे की ओर से इस केंद्र शासित प्रदेश के विकास की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अत्याधुनिक डिजाइन वाले विस्टाडोम कोच से बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकेगा।'' उन्होंने कहा कि हाल के समय में पर्यटन को काफी बढ़ावा मिला है और अब नये रेल रेलवे डिब्बों से क्षेत्र के विकास को और प्रोत्साहन मिलेगा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रो. (डॉ) माणिक साहा ने कहा, ''राज्य में रेल संपर्क को बढ़ाने के लिये हम प्रधानमंत्री और रेल मंत्री के आभारी हैं। इससे दूर दराज इलाकों में पहुंचना आसान होगा और राज्य में व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।'' असम के मुख्यमंत्री, हिमंता बिस्वा सरमा ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा, ''प्रधानमंत्री ने पद संभालने के बाद से ही जम्मू और कश्मीर और उत्तर पूर्व के राज्यों के विकास पर जोर दिया है। यह एक महत्वपूर्ण दिन है जब असम में एक ट्रेन को आगे बढ़ाकर बराक घाटी तक तक पहुंचाया गया है, एक अन्य ट्रेन को अगरतला तक बढ़ाया जा रहा है, एक ट्रेन सूदुर दुल्बचेर्रा के लिये शुरू की जा रही है। मैं इस पहल के लिये प्रधानमंत्री और रेल मंत्री का धन्यवाद करता हूं।''

ट्रेन नंबर १२५१४/१२५१५ गुवाहटी - सिकंदराबाद एक्सप्रेस (साप्ताहिक) को सिल्चर (असम) तक विस्तार देने से बराक वैली (सिल्चर) और सिकंदराबाद के बीच सीधा रेल संपर्क उपलब्ध हो जायेगा। इससे निचले असम और बराक वैली के आसपास के क्षेत्रों के लोगों को लाभ होगा। ट्रेन की नियमित सेवा २१.१०.२०२३ (शनिवार) से सिकंदराबाद से शुरू होगी। सप्ताह में तीन दिन चलने वाली ट्रेन नंबर १५६१७/१५६१८ दुल्बचेर्रा- गुवाहटी (गुवाहटी से - सोम, बुध, शनि और दुल्बचेर्रा से - मंगल, बृहस्पति और रविवार) चलने से दुल्बचेर्रा के सुदूर इलाके और गुवाहटी के बीच सीधा रेल संपर्क स्थापित होगा और इससे दुल्बचेर्रा के छात्रों, व्यवसायियों और व्यापारियों को फायदा होगा। ट्रेन नंबर १२५१६/१२५२० कामाख्या - लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस (साप्ताहिक) को अगरतला (त्रिपुरा) तक विस्तार दिये जाने से त्रिपुरा की राजधानी और मुंबई के बीच सीधी रेल सेवा उपलब्ध हो जायेगी। इससे क्षेत्र के लोगों को, व्यापारियों और इलाज के लिये मुंबई जाने वाले त्रिपुरा के लोगों को लाभ मिलेगा।

# हवाई यात्रा से अधिक वंदेभारत ट्रेन युवाओं की पहली पसंद

साभारः उत्तर रेलवे वर्तमान में नई दिल्ली से देहरादून, वाराणसी, अंब अंदौरा और कटड़ा मार्ग पर चार वंदे भारत ट्रेनों का संचालन कर रहा है। अपनी तेज रफ्तार, विश्वस्तरीय सुविधाओं और यात्रा समय में कमी के कारण यह सेमी हाई स्पीड ट्रेन इस मौजूदा त्योहारी सीजन के दौरान अपने परिवार के पास जाने वाले यात्रियों की पसंदीदा ट्रेन बन गई है। यही कारण है कि उत्तर रेलवे की इन रेलगाड़ियों में यात्रियों के लिए सीटों की बुकिंग लगभग पूरी रहती है। अपनी रफ्तार, आरामदेह सफर एवं किफायती किराये के साथ, वंदेभारत वर्तमान में भारत के युवाओं की पसंदीदा ट्रेन बन गई है क्योंकि २५ से ३४ वर्ष की आयु वर्ग के युवा वंदे भारत से यात्रा करना पसंद कर रहे हैं और उन्हें सस्ती दरों पर बेहतर सुविधाएं भी मिल रही हैं। जैसे-जैसे उत्तर रेलवे जोन में वंदे भारत ट्रेनों का जाल लगातार फैलता जा रहा है, यह व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों और शहरों को आपस में जोड रही हैं, और यात्रा समय में कमी आने, यातायात की कोई चिंता ना होने एवं यात्रियों के बजट के भीतर रेलयात्रा की सस्ती दरों के कारण २५-३४ और ३५-४६ वर्ष के आयु वर्ग का कामकाजी समुदाय इन ट्रेनों को अपने दैनिक आवागमन के लिए पसंद करते हैं।

वाराणसी और कटड़ा जैसे कई सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण शहर उन यात्रियों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं जो अब हमारी उत्तर रेलवे जोन की नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस और श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सप्रेस से यात्र कर रहे हैं और केवल युवा ही नहीं, अपितु ६० वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिक भी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों से यात्रा करने के लिए उत्साहित हैं क्योंकि ट्रेनों में उपलब्ध विश्वस्तरीय सुविधाओं के कारण इनमें आरामदेह यात्र का अनुभव मिलता है।

वाराणसी और कटड़ा वंदे भारत वरिष्ठ नागरिकों के लिए तीर्थाटन और पर्यटन का अनूठा संगम प्रदान कर रही हैं। ये रेलगाड़ियां वाराणसी के सुप्रसिद्ध काशी विश्वनाथ और काल भैरव जैसे विश्व प्रसिद्ध मंदिरों और सारनाथ जैसे स्थलों के लिए सुविधाजनक यात्र प्रदान कर रही हैं तथा श्री माता वैष्णों देवी कटड़ा व रघुनाथ मंदिर व पटनी टॉप और जम्मू जैसे मशहूर पर्यटक स्थलों के लिए आसान पहुंच प्रदान कर रही हैं।

## पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१.उच्चतम अधिकारी- ५००० रु. मात्र
२.उच्च अधिकारी- ३५०० रु. मात्र
३.अधीनस्थ अधिकारी-२५०० रु. मात्र
४.रेलकर्मी/अन्य सदस्य-१०००रु.मात्र

प्रबंध संपादक
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव/
अनिल केन
रेल समाचार ब्यूरो कैंप
कार्यालय-८४३६ आर्य नगर
पहाड़गंज दिल्ली-५५

**समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा**

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. 329/255, चक, जीरो रोड, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,कीडगंज इलाहाबाद-211003 से प्रकाशित। आर.एन. आई नं.51097-90 पोस्ट ए.डी-8
मो. 9793956044,9935224867
फोन नं.-0532-2418040